भजन

पिया तेरी मेहर के बिन यहां आया नहीं जाता !
तेरा दर छोड़कर अब तो कहीं जाया नहीं जाता ।

१) तुम्हारे दीद का मुझको सदा अरमान रहता है
तेरी सूरत से नजरों को पिया हटाया नहीं जाता है ।

२) तुम अपने इश्क में मुझको पिया फना कर दे ।
तुझे पाकर जमाने से ये दिल लगाया नहीं जाता ।

३) तुम्हारे इश्क में कुछ खास दिल दिवाने होते हैं ।
यह वो नगमा है जो हर इक साज पर गाया नहीं जाता।

४) मेरे महबूब तुम्हारा इश्क यह राज ए हकीकत है।
समझ में आ तो जाता है इसे समझाया नहीं जाता ।